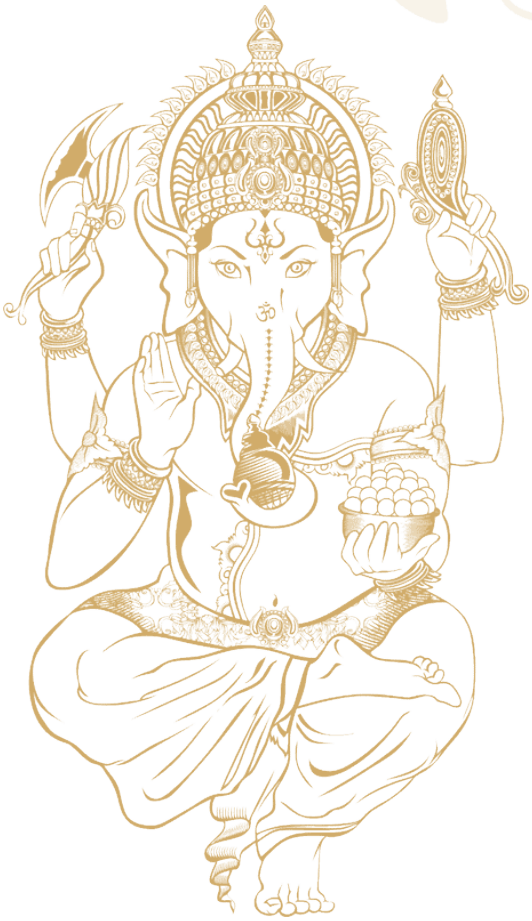

Devanshu

J gaba

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119564801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119564801 Date: 26/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	2-03/12/1996
सोमवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 00:23:22	जन्म समय(घटी)	45:43:05 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Delhi
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	06:57:33
17:44:31	सूर्यास्त	17:23:44
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:51
धनु	लग्न	कन्या
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कर्क	राशि	सिंह
चन्द्र	राशि-स्वामी	सूर्य
आश्लेषा	नक्षत्र	मघा
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	विष्कुम्भ
वणिज	करण	बालव
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	मे-मेनका
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	वनचर
मार्जार	योनि	मूषक
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	मूषक

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 11मा 19दि		24:36:04	धनु	लग्न	कन्या	05:26:21	केतु 0वर्ष 2मा 2दि	
शुक्र		23:15:42	धनु	सूर्य	वृश्चि	17:06:57	चन्द्र	
28/12/2018		17:28:28	कर्क	चंद्र	सिंह	13:00:08	05/02/2023	
28/12/2038		05:54:27	मक	मंगल	सिंह	23:30:46	04/02/2033	
शुक्र	28/04/2022	11:03:39	मक	बुध	धनु	03:39:31	चन्द्र	06/12/2023
सूर्य	28/04/2023	07:16:23	धनु	गुरु	धनु	24:53:57	मंगल	06/07/2024
चन्द्र	27/12/2024	27:31:21	मक	शुक्र	तुला	18:16:13	राहु	05/01/2026
मंगल	26/02/2026	26:06:19	कुंभ	शनि व	मीन	06:47:43	गुरु	07/05/2027
राहु	26/02/2029	28:18:20	कन्या व	राहु व	कन्या	11:45:06	शनि	05/12/2028
गुरु	28/10/2031	28:18:20	मीन व	केतु व	मीन	11:45:06	बुध	07/05/2030
शनि	28/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष	मक	08:00:55	केतु	06/12/2030
बुध	27/10/2037	01:08:23	मक	नेप	मक	02:02:23	शुक्र	05/08/2032
केतु	28/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:29:25	सूर्य	04/02/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:51

लग्न-चलित

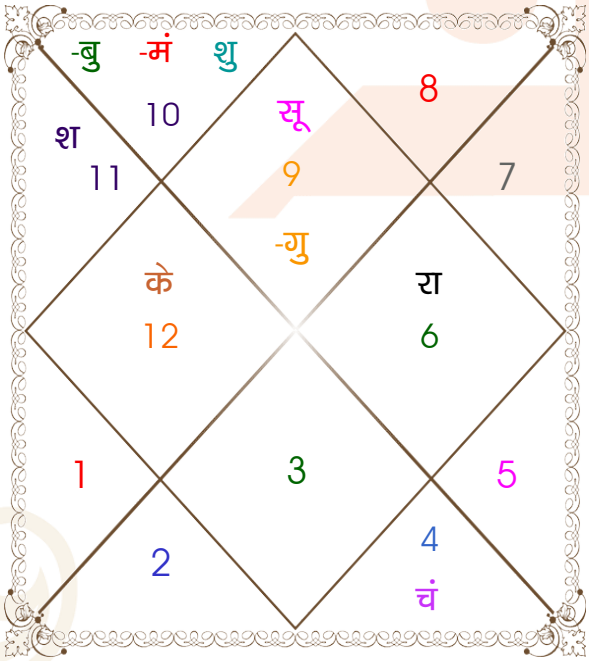

लग्न-चलित

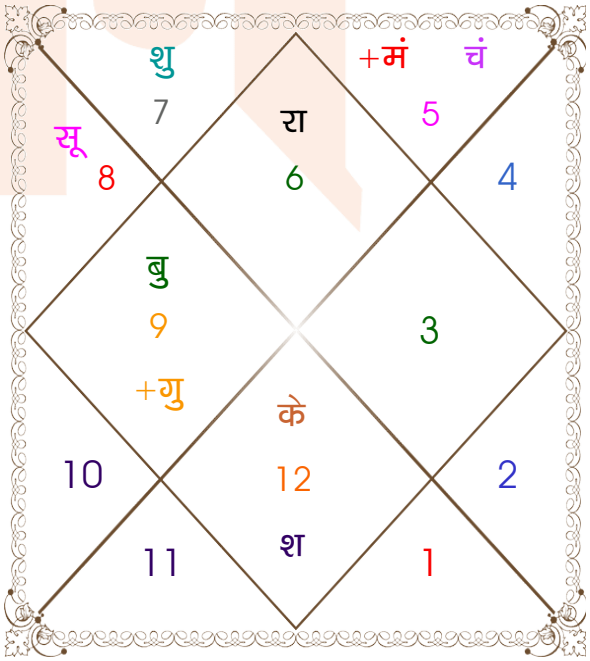

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मूषक	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

कुल : **16 / 36**

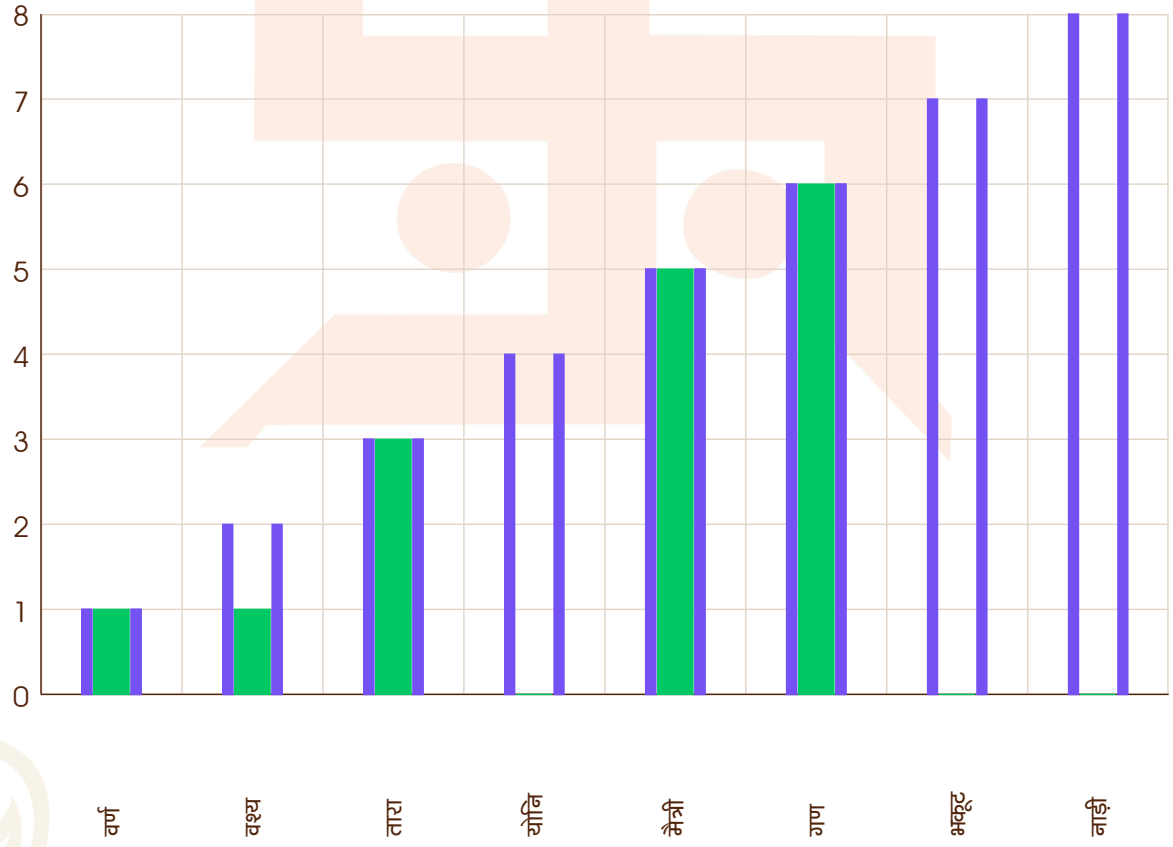

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Devanshu का वर्ग श्वान है तथा J gaba का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Devanshu और J gaba का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Devanshu मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

J gaba मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र J gaba कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Devanshu कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Devanshu तथा J gaba में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा J gaba का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से J gaba में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर J gaba आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। J gaba सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

Devanshu का वश्य जलचर है एवं J gaba का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं वनचर दो भिन्न वश्य हैं किंतु दोनों एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे हालांकि उनके स्वभाव, गुण, खान-पान एवं व्यवहार एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होंगे। जलचर Devanshu एवं वनचर J gaba का विवाह होने से दोनों के विचारों, पसंद/नापसंद में भिन्नता होने के बावजूद दोनों आपस में समझौता कर एवं सामंजस्य स्थापित कर खुशी पूर्वक जीवन व्यतीत करते रहेंगे।

तारा

Devanshu की तारा अतिमित्र तथा J gaba की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। Devanshu हमेशा J gaba के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

Devanshu की योनि मार्जार है तथा J gaba की योनि मूषक है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना

चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Devanshu एवं J gaba दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Devanshu एवं J gaba के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Devanshu एवं J gaba जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Devanshu का गण राक्षस है तथा J gaba का गण भी राक्षस है। अर्थात J gaba का गण Devanshu के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Devanshu एवं J gaba दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्य पि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Devanshu से J gaba की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा J gaba से Devanshu की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Devanshu गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। J gaba समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Devanshu शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

Devanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा J gaba की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Devanshu एवं J gaba की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Devanshu की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा J gaba की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जल का परस्पर शत्रु एवं विषमता का भाव होता है। अतः Devanshu और J gaba के मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे उनका दाम्पत्य जीवन विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Devanshu की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा J gaba की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से मतभेदों एवं असमानताओं को दूर करने में Devanshu और J gaba को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही मित्रता के भाव से एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर प्यार सहानुभूति एवं सहयोग का भाव बना रहेगा एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन को व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे।

Devanshu और J gaba की राशियां परस्पर द्वितीयद्वादश भाव में पड़ती है। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से Devanshu और J gaba के स्तर पर अत्यधिक विषमता का भाव दृष्टिगोचर होगा जिससे परस्पर मतभेद एवं विवाद होंगे तथा यदा कदा क्रोध आदि के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। अतः यदि Devanshu और J gaba सामंजस्य पूर्वक रहें तथा उग्रता के भाव का परित्याग कर सकें तो संबधों में मधुरता का भाव हो सकता है।

Devanshu का वश्य जलचर तथा J gaba का वश्य वनचर है। इन दोनों की परस्पर मित्रता होने के कारण Devanshu और J gaba की अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। फलतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे जीवन की प्रसन्नता बनी रहेगी।

Devanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा J gaba का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्य क्षेत्र में भी इनकी क्षमताओं में समानता रहेगी। Devanshu शैक्षिणक तथा धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा J gaba की प्रवृति उत्साही पराक्रमी तथा साहसिक कार्यो के प्रति रहेगी फलतः कार्य क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

धन

Devanshu की तारा अतिमित्र तथा J gaba की तारा सम्पत है। अतः इसके शुभ प्रभाव से ये आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे परन्तु उनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। साथ ही मंगल का अशुभ प्रभाव भी Devanshu की आर्थिक स्थिति पर रहेगा। अतः यद्यपि धनऐश्वर्य से वे सुसम्पन्न रहेंगे परन्तु समय समय पर आर्थिक क्षेत्र में परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

J gaba एक धनाढ्य तथा सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा Devanshu अपने प्रभाव

परिश्रम एवं ईमानदारी से धनऐश्वर्य की वृद्धि करने में समर्थ होंगे लेकिन भकूट दोष के कारण यदा कदा उनकी प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्यय करने की रहेगी जिससे आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी। अतः Devanshu और J gaba को चाहिए कि अनावश्यक व्यय की प्रवृति पर नियंत्रण रखें।

स्वास्थ्य

Devanshu और J gaba दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Devanshu के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Devanshu को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Devanshu और J gaba का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Devanshu और J gaba के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में J gaba के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन J gaba को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में J gaba को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Devanshu और J gaba सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Devanshu और J gaba का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

J gaba के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत J gaba के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

J gaba अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार J gaba के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Devanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Devanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Devanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Devanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।